1.8.24

Date
Page 1

कुंजी

Tender Heart High School, Sec. 33-B, CHD.

कक्षा - सातवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी साहित्य (पाठ-8 "मेरी माँ") 'कुंजी'
पुस्तक - नवतरंग - 7

पाठ बोध

1. प्रश्नों के उत्तर दीजिए :- संक्षेप में

प्रश्न (क) राम प्रसाद ने अपनी माँ से क्या वर माँगा?
उत्तर - राम प्रसाद ने अपनी माँ से यह वर माँगा कि अंतिम समय में मेरा हृदय किसी भी प्रकार से विचलित न हो और — तुम्हारे चरण-कमलों को प्रणाम कर, मैं परमात्मा का स्मरण करता हुआ शरीर को त्याग दूँ।

प्रश्न-(ख) माँ ने राम प्रसाद को क्या आदेश दिया?
उत्तर - माँ ने राम प्रसाद को यह आदेश दिया कि जीवन में कभी किसी की प्राण हानि न हो। उनका कहना था कि अपने शत्रु को भी कभी प्राण-दंड न देना।

विस्तार से :-

प्रश्न-(क) राम प्रसाद को किस बात का अफ़सोस है?
उत्तर - राम प्रसाद को यह अफ़सोस है कि वह अंतिम समय में एक बार श्रद्धापूर्वक अपनी माँ के चरणों की सेवा करके अपने जीवन को सफल न बना पाए। वे अपनी माँ से मिलना चाहते थे किंतु उनकी यह इच्छा पूर्ण न हो सकी। उन्हें इस बात का भी अफ़सोस था कि उन्हें अपनी माँ से मिले बगैर ही फाँसी पर लटका दिया जाएगा और उनकी माँ को उनकी मृत्यु का दुख-संवाद ही सुनाया जाएगा।

प्रश्न-(ख) राम प्रसाद ने अपनी माँ के किन योगदानों को याद किया?
उत्तर - राम प्रसाद की माँ का उनके जीवन में बहुत बड़ा

Scanned with CamScanner

'कुंजी'

कक्षा - सातवीं सुमन शर्मा
विषय - हिंदी साहित्य (पाठ-8 'मेरी माँ') 'कुंजी'

योगदान था। उनकी माँ ने उन्हें शिक्षा के अतिरिक्त क्रांतिकारी जीवन में भी उनको प्रेरित किया। वह हमेशा प्रेम तथा दृढ़ता के साथ उनके जीवन का सुधार करती थी। कभी माँ उन्हें ताड़ना देती, तो कभी बड़े स्नेह से उन्हें हर बात समझा देती। वह रामप्रसाद के आत्मिक, धार्मिक तथा सामाजिक उन्नति में सदैव सहायक रहीं। माँ सदैव अपनी प्रेमभरी वाणी को सुनाते उन्हें प्रेरणा देतीं। वे इसी प्रेमभरी दैवी-वाणी को याद करते तथा प्रत्येक जन्म में ऐसी ही माता की कामना करते थे।

प्रश्न (ग) राम प्रसाद और मेजिनी की माताओं में कौन-कौन-सी समानताएँ थीं।

उत्तर- राम प्रसाद की माँ ने सदैव उन्हें उच्च विचार दिए। उच्च शिक्षा के अतिरिक्त उन्हें क्रांतिकारी जीवन में भी सहायता की। उनकी माता उन्हें हमेशा आदेश देती थी कि कभी किसी की प्राण-हानि न हो, चाहे वह कोई शत्रु ही क्यों न हो। कभी किसी को प्राण- दंड मत देना। ऐसे ही विचार इटली के देशभक्त मेजिनी की माँ के थे। वे भी अपनी माँ के विचारों से प्रभावित होकर क्रांतिकारी बने। दोनों माताओं के विचारों में यही विशेषताएँ हैं कि उन्होंने अपने पुत्रों को अच्छे विचार दिए और देश के लिए अपना जीवन कुर्बान करने के लिए प्रेरित किया।

(अंतिम पृष्ठ-2)

Scanned with CamScanner